मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांक: 26 अप्रैल 2019

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	27/04/19	28/04/19	29/04/19	30/04/19	01/05/19
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	42	43	43	44	44
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	28	28	29	29	29
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	1	0	1	1	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	70	69	71	71	73
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	26	27	25	25	24
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	6	5	7	8	9
हवा की दिशा	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह:

फसल	अवस्था	सलाह
कपास	बुवाई	कपास की बुवाई के लिए निम्न लिखित उन्नत किस्में हैः– **देशी कपास** की आर.जी–8, आर.जी.–18, राज.डी.एच.–9, आर.जी.–542, एच.डी.–123। **अमेरिकन कपास** की बीकानेरी नरमा, गंगानगर अगेती, आर.एस.टी–9, आर.एस.–2013, आर.एस.–810, आर.एस.–875। **बी.टी. कपास** की बायोसीड–6588, आर.सी.एच'650, एमआरसीएच–6304, आर.सी.एच–134। देशी कपास के लिए 12–15 किलो बीज, अमेरिकन के लिए 15–16 किलो व बी.टी. के लिए 2 किलो प्रति हैक्टेयर बुवाई हेतु उपयोग में लें। फसल को बीज जनित रोगों से बचाने के लिए एक ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन का 10 लीटर पानी में घोल बनाकर बीज उपचारित करें। जड़ गलन रोग के नियंत्रण के लिए ट्राइकोड्रमा हारजेनियम 10 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। फसल को दीमक के प्रकोप से बचाने के लिए बुवाई के समय क्यूनालफॉस 1.5 प्रतिशत की 25 किलो मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से डालें।
मिर्च		मिर्च की फसल में रोपाई के 30 दिन बाद 35 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से सिंचाई के साथ दें।
पशु		पशुओं को गर्म हवा से बचाए दिन के समय छायादार स्थान पर बाधें तथा 3–4 बार पानी पिलाएं।

(नौडल ऑफीसर)